डार्क टूरिज़्म

[स्रोत: द हिंदू](#)

यूक्रेन में स्थिति के परिणामस्वरूप **"डार्क टूरिज़्म"** अधिक लोकप्रिय हो गया है, जहाँ आगंतुक युद्ध के बाद की स्थिति और स्थानीय समुदायों पर इसके प्रभावों को देखने के लिये संघर्ष क्षेत्रों की यात्रा कर रहे हैं। इस प्रकार के पर्यटन को थानाटूरिज़्म या ग्रिफ टूरिज़्म के रूप में भी जाना जाता है**,** जिसमें मृत्यु और त्रासदी से जुड़ी जगहों पर जाना शामिल है।

- **यूक्रेनी राजनेताओं और नागरिकों के बीच प्रतिक्रियाएँ भिन्न-भिन्न हैं, जो इसे या तो "रक्त-धन" या आय के स्रोत के रूप में देखते हैं।**
- **डार्क टूरिज़्म इंडिया:**
    - **कुलधरा गाँव, जैसलमेर**: कई मिथकों और भयानक कहानियों वाला एक परित्यक्त गाँव, अब **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रबंधित एक ऐतिहासिक स्थल है।**
    - अनेक मिथकों और डरावनी कहानियों वाला एक परित्यक्त गाँव, जो वर्तमान में एक **ऐतिहासिक स्थल** है जिसका प्रबंधन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है।
    - **सेलुलर ज़ेल, पोर्ट ब्लेयर (काला पानी)**: एक औपनिवेशिक युग का कारागार जहाँ स्वतंत्रता सेनानियों को गंभीर यातनाएँ सहनी पड़ीं; अब यह एक **राष्ट्रीय संग्रहालय** है जो ब्रिटिश शासन के तहत भारत के काले इतिहास को प्रदर्शित करता है।
    - **रूपकुंड झील, उत्तराखंड (कंकाल झील)**: सैकड़ों कंकालों के अवशेषों वाली एक रहस्यमयी झील, जिसकी उत्पत्ति का रहस्य अभी भी अनसुलझा है।
    - **लोथल, गुजरात:** सिंधु घाटी सभ्यता का एक महत्त्वपूर्ण स्थल, लोथल एक प्राचीन शहर है जो विश्व की सबसे पुरानी नगरीय बस्तियों को दर्शाता है।
    - **डुमास बीच, सूरत**: अपनी हॉन्टेड और भयग्रस्त लोककथाओं के लिये जाना जाने वाला यह स्थान अलौकिक रूप से उत्साही लोगों के लिये आकर्षण का केंद्र है।

और पढ़ें: भारत में पर्यटन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dark-tourism